

केरल में चमगादड़ों से जुड़े मथिक

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में केरल के शोधकर्त्ताओं ने चमगादड़ वर्गीकरण (Taxonomy), ध्वनिकी (Acoustics) और जैवभूगोल (Biogeography) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये हैं।

- मथिक (Myth), अंधविश्वास और [कोवडि-19](#) तथा [नपिह वायरस](#) संक्रमण जैसी [जूनोटिक बीमारियों](#) ने चमगादड़ों के बारे में नकारात्मक धारणा बनाई है।
- इस परियोजना का उद्देश्य उभरती [जूनोटिक बीमारियों](#) और चमगादड़ों की आबादी के सामने आने वाले खतरों से निपटना है, जिसमें नविस स्थान की हानि तथा [फलों के चमगादड़ों के नविस स्थान का समाप्त होना](#) शामिल है।
- केरल के शोधकर्त्ता भी वर्ष 1996 से चल रहे [राष्ट्रीय चमगादड़ नगरानी कार्यक्रम \(National Bat Monitoring Programme\)](#) का समर्थन कर रहे हैं।
 - यह हमें [चमगादड़ों के संरक्षण](#) में सहायता के लिये आवश्यक जानकारी देता है।

चमगादड़ (Bats):

- भारत चमगादड़ों की 135 प्रजातियों का घर है। चमगादड़ [रात्रिचर \(nocturnal\)](#) प्राणी हैं।
- चमगादड़ आम तौर पर [फलों को खाते हैं](#), [बीज फैलाव द्वारा परागण में मदद करते हैं](#), लेकिन [कृषि को नुकसान भी पहुँचाते हैं](#) और इसलिये उन्हें [कीट \(vermin\)](#) माना जाता है।
- अवैध शिकार, माँस की खपत, पारंपरिक दवाओं में उपयोग, जलवायु परिवर्तन, [पर्यावरण प्रदूषण](#) और जैविक आक्रमण के कारण दुनिया भर में चमगादड़ों की आबादी में गिरावट आई है।

और पढ़ें: [आक्रामक वदेशी प्रजातियाँ](#)